Gynaecological cancers fact sheet

# फैक्टशीट
# गायनीकॉलॉजिकल कैंसर

## गायनीकॉलॉजिकल कैंसर क्या होता है?

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर महिला प्रजनन प्रणाली का कैंसर होता है और तब होता है जब असामान्य कोशिकाएं अनियंत्रित ढंग से विकसित होने लगती हैं।

## गायनीकॉलॉजिकल कैंसर कितने प्रकार के होते हैं?

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर का नाम शरीर के उस अंग या हिस्से के अनुसार रखा जाता है जिसमें वह सबसे पहले विकसित होता है, इनमें अंडाशय, गर्भाशय, ग्रीवा, योनि और योनिमुख शामिल है।

- **ओवेरियन कैंसर (अंडाशय कैंसर)**—एक या दोनों अंडाशयों में शुरू होता है, जो हारमोन और अंडे (बीजाणु) उत्पन्न करने वाला ठोस, अंडाकार अंग है।
- **यूटेरिन कैंसर (गर्भाशय कैंसर)**—गर्भाशय के मुख्य हिस्से में शुरू होता है, जो उल्टे रखे नाशपाती के आकार और आकृति वाला खोखला अंग है। गर्भाशय वह हिस्सा है जहाँ औरत के गर्भवती होने पर शिशु विकसित होता है।
- **सर्वाइकल कैंसर (ग्रीवा कैंसर)**—ग्रीवा में शुरू होता है, जो गर्भाशय का निचले भाग में, बेलनाकार हिस्सा है। इसका ऊपरी छोर गर्भाशय से जुड़ा होता है, जबकि इसका निचला छोर योनि से जुड़ा होता है।
- **वेजाइनल कैंसर (योनि कैंसर)**—योनि (जनन-मार्ग भी कहलाता है) में शुरू होता है, मांसल ट्यूब समान नलिका जो ग्रीवा से लेकर मादा जननांगों के बाहरी हिस्से (योनिमुख) तक होती है।
- **वल्वल कैंसर (योनिमुख कैंसर)**—योनिमुख में शुरू होता है, जो मादा जनन प्रणाली का बाहरी हिस्सा है। इसमें योनि का द्वार, अंदरूनी और बाहरी लब (लघु भगोष्ठ (लेबिया माइनोरा) और भगोष्ठ (लेबिया मेजोरा) भी कहा जाता है), भग-शिश्न और जघन शैल (लेबिया के ऊपर ऊतकों का मुलायम, मोटा टीला) भी शामिल है।

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के अन्य प्रकारों में डिम्बवाही नली कैंसर और गर्भनाल कैंसर (गर्भावस्था संबंधित कैंसर) शामिल है।

## गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के क्या-क्या लक्षण होते हैं?

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के लक्षण इस पर निर्भर करते हैं कि ट्यूमर (गांठ) कहाँ स्थित है, ट्यूमर का आकार क्या है और यह कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के कारण हो सकने वाले लक्षणों में निम्न शामिल है:

- योनि से असामान्य या निरंतर रक्तस्राव उदाहरण के लिये, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव या जो मासिक धर्म का हिस्सा न हो, संभोग के बाद रक्तस्राव।
- योनि से असामान्य स्राव
- उदर में पीड़ा, दबाव या तकलीफ
- उदर में सूजन
- आंत या मूत्राशय की प्रवृत्ति में परिवर्तन
- संभोग के दौरान दर्द
- खुजली, जलन या पीड़ा
- गांठ, फोड़ा या मस्से जैसी चीजें होना

ऐसी अनेक स्थितियाँ हो सकती हैं जिनके कारण ये लक्षण हो सकते हैं। यदि आपको इनमें से किसी एक लक्षण का अनुभव हुआ है, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप डॉक्टर के साथ इसकी चर्चा करें।

## गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के खतरे के कारण क्या-क्या होते हैं?

खतरे का एक कारण, ऐसा कोई भी कारण होता है जो स्वास्थ्य संबंधी किसी विशेष स्थिति (बीमारी) जैसे कि गाइनीकॉलॉजिकल कैंसर के होने की अधिक संभावना से जुड़ा हुआ होता है। खतरे के कारण विभिन्न प्रकार के होते हैं, इनमें से कुछ में सुधार या परिवर्तन लाया जा सकता है कुछ में नहीं।

इस पर ध्यान देना चाहिए कि खतरे के एक या अधिक कारण होने का अर्थ यह नहीं कि महिला को गायनीकॉलॉजिकल कैंसर हो जाएगा। अनेक महिलाओं में खतरे का कम से कम एक कारण होता है लेकिन उन्हें कभी गायनीकॉलॉजिकल कैंसर नहीं होता, जबकि हो सकता है कि गायनीकॉलॉजिकल कैंसर से पीड़ित अन्य महिलाओं में खतरे का कोई भी ज्ञात कारण नहीं रहा हो। बावजूद इसके कि गाइनीकॉलॉजिकल कैंसर से पीड़ित किसी महिला में खतरे का कोई कारण हो, यह जानना सामान्यतः मुश्किल होता है कि उस खतरे के कारण ने उसकी बीमारी के विकास में कितना योगदान दिया।

यद्यपि अनेक गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के कारणों को अच्छी तरह नहीं समझा जा सका है, किसी एक या अधिक प्रकार के गायनीकॉलॉजिकल कैंसर विकसित होने के जोख़िम से संबद्ध अनेक कारण हैं। इन कारणों में निम्न शामिल हैं:

- बढ़ती आयु
- प्रभावशाली पारिवारिक इतिहास होना
- पहचाने गए जीन उत्परिवर्तन
- प्रजनन इतिहास जैसे बच्चा होना
- हार्मोन्स का एक्सपोज़र - शरीर द्वारा उत्पन्न या दवाई के रूप में लिए गए
- गर्भ में डायइथाइलस्टिलबेस्ट्रॉल का एक्सपोज़र
- वायरल इंफ़ेक्शन जैसे मानवीय पैपिलोमा वायरस
- जीवनशैली कारक जैसे धूम्रपान और जो अत्यधिक वजन बढ़ा देती हैं

## गायनीकॉलॉजिकल कैंसर की पहचान किस प्रकार की जाती है?

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर की पहचान में अनेक जाँचें की जा सकती हैं, जिनमें निम्न शामिल हैं:

- शारीरिक जाँच, जैसे कि कूल्हे की जाँच

- पैप स्मीयर
- रक्त जाँच जैसे कि CA125
- इमेजिंग जाँच – जिसमें ट्रान्सवेजाइनल अल्ट्रासाउंड (transvaginal ultrasound) या सीटी (CT) स्कैन शामिल हो सकता है, मैग्नेटिक रेज़ॉनेन्स इमेजिंग (Magnetic resonance imaging) (MRI) या PET स्कैन का भी सुझाव दिया जा सकता है
- माइक्रोस्कोप के द्वारा परीक्षण करने के लिए ऊतकों का नमूना लेना (बायोप्सी)।

## उपचार विकल्प

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर से पीड़ित महिलाओं के उपचार और देखभाल आमतौर पर बहु-विषयक टीम के नाम से जानी जाने वाली स्वास्थ्य पेशेवरों की एक टीम, द्वारा की जाती है।

गायनीकॉलॉजिकल कैंसर का उपचार, बीमारी के चरण और प्रकार, लक्षणों की कठोरता और महिला के सामान्य स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। आमतौर पर उपचार में यथासंभव ट्यूमर निकालने के लिए, और इसका चरण (कैंसर कितना फैल गया है) तय करने के लिए सर्जरी शामिल हो सकती है। रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, और हार्मोनल थेरेपीज़ का भी प्रयोग किया जा सकता है।

विभिन्न प्रकार के कैंसरों की पहचान और उपचार के नए तरीकों को खोजने के लिए शोध कार्य जारी है। गायनीकॉलॉजिकल कैंसर के इलाज के नए तरीकों को जाँचने के लिए कुछ महिलाओं को चिकित्सकीय जाँच में भागीदारी का प्रस्ताव दिया जा सकता है।

## सहायता खोजना

कैंसर पाए जाने के बाद लोग अकसर पूर्णतया पराजित, भयभीत और परेशान हो जाते हैं। ये सामान्य अहसास हैं।

कैंसर के निदान और उपचार के दौरान और उसके पश्चात् व्यावहारिक और भावनात्मक सहायता बहुत महत्वपूर्ण होती है। परिवार के सदस्यों, स्वास्थ्य पेशेवरों या विशेष सहायता सेवाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, State and Territory Cancer Councils (स्टेट एंड टेरीटरी कैंसर काउंसिल्स) कैंसर के बारे में सामान्य जानकारी, साथ ही साथ स्थानीय संसाधनों और प्रासंगिक सहायता समूहों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में कही से भी स्थानीय कॉल के खर्च पर **13 11 20** को कॉल करके Cancer Council Helpline (कैंसर काउंसिल हेल्पलाइन) तक पहुँचा जा सकता है।

सहायता खोजने संबंधी और अधिक जानकारी Cancer Australia (कैंसर ऑस्ट्रेलिया) वेबसाइट **www.canceraustralia.gov.au** पर मिल सकती है।

### संदर्भ

1. National Breast and Ovarian Cancer Centre. Epithelial ovarian cancer. Understanding your diagnosis and treatment. National Breast and Ovarian Cancer Centre, Surry Hills, NSW, 2008 (नेशनल ब्रेस्ट एंड ओवेरियन कैंसर सेंटर। एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर। अपने निदान और उपचार की समझ। नेशनल ब्रेस्ट एंड ओवेरियन कैंसर सेंटर, सरे हिल्स, NSW, 2008)।

2. Abnormal vaginal bleeding in pre-, peri and post-menopausal women पूर्व-, परिधीय और पश्च् रजोनिवृत्ति वाली महिलाओं में असामान्य योनि स्राव। A diagnostic guide for general practitioners and gynaecologists. Cancer Australia, NSW, 2011 (आम चिकत्सकों और स्त्रीरोग विशेषज्ञों के लिए नैदानिक दिशा-निर्देश, NSW, 2011)।

यद्यपि Cancer Australia सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर सामग्री विकसित करता है, यह जानकारी किसी स्वतंत्र स्वास्थ्य पेशेवर की सलाह के स्थान पर उपयोग होने के लिए अभिप्रेत नहीं है। Cancer Australia इस दस्तावेज़ में शामिल जानकारी के उपयोग या उन पर भरोसे के कारण होने वाली किसी क्षति, हानि या नुकसान की देयता स्वीकार नहीं करता है। © Cancer Australia 2013.

GYNC(h)